राजनीतिक

● क्या सचिन पायलट राजस्थान के पीसीसी प्रमुख बनेंगे ?

कांग्रेस हलकों में सचिन पायलट को बहुत जल्द राजस्थान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किए जाने की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

● टीएमसी के कितने राज्यसभा सदस्य भाजपा में शामिल हो रहे हैं ?

'ऑपरेशन लोटस' पूरी रफ्तार से चल रहा है। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि टीएमसी के 13 राज्यसभा सदस्यों में से 9 या 10 एक महीने के भीतर भाजपा में शामिल हो सकते हैं। देखते हैं आगे क्या होता है।

● क्या भूपेश बघेल राज्य की राजनीति में वापसी करेंगे?

कांग्रेस हलकों में चर्चा है कि भूपेश बघेल की राष्ट्रीय कांग्रेस राजनीति में भूमिका समाप्त हो रही है और उन्हें छत्तीसगढ़ की राज्य राजनीति में भेजा जा रहा है। यह एक दिलचस्प घटनाक्रम है।

प्रशासनिक

● सीबीडीटी के अध्यक्ष रवि अग्रवाल सेवानिवृत्त होंगे

सीबीडीटी के अध्यक्ष रवि अग्रवाल का विस्तारित कार्यकाल 30 जून को समाप्त हो रहा है। वे 1988 बैच के आईआरएस (सी एंड आईटी) अधिकारी हैं। उनका उत्तराधिकारी कौन होगा?

● मलिक गुजरात के नए डीजीपी

गुजरात सरकार ने डीजीपी पद के लिए संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) द्वारा गुजरात सरकार को भेजे गए तीन नामों के पैनल में से जीएस मलिक का नाम चुना है। यह पैनल राज्य पुलिस प्रमुखों की नियुक्ति के संबंध में सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार भेजा गया था। जीएस मलिक 1993 बैच के आईपीएस अधिकारी हैं।

● क्या नीलकंठ मिश्रा की विश्व बैंक में नियुक्ति को विदेश मंत्रालय द्वारा अमेरिका-चीन गतिरोध से उबरने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है?

नीलकंठ मिश्रा को वाशिंगटन डीसी स्थित विश्व बैंक में तीन साल के कार्यकाल के लिए कार्यकारी निदेशक नियुक्त किया गया है। नीतिगत हलकों में इस कदम को नई दिल्ली द्वारा संस्था के भीतर बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच अपनी आवाज को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। मिश्रा, जो वर्तमान में एक्सिस बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री और क्रेडिट सुइस के पूर्व भारत रणनीतिकार हैं, व्यापक आर्थिक नीति, वित्तीय बाजारों और सरकारी सलाहकार भूमिकाओं में व्यापक अनुभव रखते हैं। उनकी नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब भारत बहुपक्षीय वित्तीय निकायों के भीतर संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच जटिल गठबंधनों को समझने में लगातार चुनौतियों का सामना कर रहा है। सूत्रों ने संकेत दिया कि मिश्रा की नीतिगत विश्वसनीयता और वैश्विक पूंजी प्रवाह की उनकी जानकारी भारत को अपने रुख को बेहतर ढंग से व्यक्त करने में मदद कर सकती है, विशेष रूप से विकास वित्तपोषण, जलवायु वित्तपोषण ढांचे और उभरती अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित करने वाले ऋण पुनर्गठन तंत्रों पर। अधिकारियों का मानना है कि उनकी उपस्थिति उन लगातार गतिरोधों को कम करने में भी मदद कर सकती है जहां अमेरिका और चीन की प्राथमिकताएं अलग-अलग रही हैं, जिससे अक्सर आम सहमति बनाने में बाधा आती है। यह नियुक्ति भारत के उस व्यापक प्रयास को रेखांकित करती है जिसके तहत वह मजबूत अंतरराष्ट्रीय साख वाले तकनीकी विशेषज्ञों को प्रमुख वैश्विक संस्थानों में नियुक्त करना चाहता है, क्योंकि वह विकास और वित्तीय शासन के एजेंडों को आकार देने में अधिक प्रभाव डालना चाहता है।

● क्या हेमंत सोरेन झारखंड में असंतोष के बीच नौकरशाही में बदलाव की तैयारी कर रहे हैं ?

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपने शीर्ष प्रशासनिक नेतृत्व के प्रदर्शन और कार्यशैली से, विशेष रूप से खनन, गृह और राजस्व जैसे राजनीतिक रूप से संवेदनशील विभागों में, काफी असंतुष्ट बताए जा रहे हैं। कई सूत्रों के अनुसार, सोरेन राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अवधि से पहले प्रमुख पदों में फेरबदल की संभावना पर विश्वसनीय सलाहकारों और बाहरी विशेषज्ञों से अनौपचारिक रूप से परामर्श कर रहे हैं। असंतोष के कई कारण नज़र आते हैं, जिनमें प्रशासनिक सुस्ती, प्रमुख योजनाओं में गड़बड़ी की आशंकाएं और यह धारणा शामिल है कि नौकरशाही के कुछ वर्ग सरकार की राजनीतिक प्राथमिकताओं के साथ पूरी तरह तालमेल नहीं बिठा पा रहे हैं। अंदरूनी सूत्रों का कहना है कि मुख्यमंत्री नियमित तबादलों से परे अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जिनमें संबंधित क्षेत्र में विशेषज्ञता रखने वाले और शासन व्यवस्था को बेहतर ढंग से समझने वाले अधिकारियों को नियुक्त करना शामिल है। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति से लौटे अधिकारियों और आदिवासी कल्याण एवं भूमि प्रशासन में अनुभव रखने वाले अधिकारियों का लाभ उठाने की भी चर्चा हो रही है, ये क्षेत्र जम्मू-कश्मीर मुस्लिम समुदाय के मुख्य मतदाता आधार के लिए बेहद महत्वपूर्ण हैं। हालांकि अभी तक किसी औपचारिक फेरबदल की घोषणा नहीं की गई है, लेकिन रांची से मिल रहे संकेतों से पता चलता है कि नियंत्रण को मजबूत करने और अंतिम छोर तक सेवाएं बेहतर बनाने के उद्देश्य से लक्षित नौकरशाही पुनर्गठन जल्द ही हो सकता है।

● क्या भारत-अमेरिका व्यापार समझौता अंतिम चरण में है? लेकिन इसमें पेचीदगी क्या है?

सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत और अमेरिका के बीच आने वाले हफ्तों में एक लंबे समय से लंबित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है, जो द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों में एक संभावित सफलता का संकेत है। बाजार पहुंच, शुल्क और नियामक बाधाओं को लेकर कई दौर के मतभेदों के बावजूद, वार्ता अब पारस्परिक रूप से स्वीकार्य ढांचे की ओर अग्रसर होती दिख रही है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि समझौते में कुछ महत्वपूर्ण शर्तें शामिल हो सकती हैं, खासकर कृषि, डिजिटल व्यापार और बौद्धिक संपदा जैसे संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में। ये प्रावधान, जिन पर अभी भी बातचीत चल रही है, दोनों पक्षों के लिए समग्र लाभों के संतुलन को प्रभावित कर सकते हैं। वार्ता से परिचित अधिकारियों का कहना है कि समझौते की मुख्य रूपरेखा लगभग तय हो चुकी है, लेकिन इसके वास्तविक प्रभाव को निर्धारित करने में बारीकियाँ महत्वपूर्ण होंगी। इनमें संभावित शर्तें, चरणबद्ध प्रतिबद्धताएँ और क्षेत्र-विशिष्ट सुरक्षा उपाय शामिल हैं। वित्तीय बाज़ार अंतिम विवरणों पर बारीकी से नज़र रखेंगे, विशेषकर शुल्क कटौती, निवेश नियमों और आपूर्ति श्रृंखला एकीकरण से संबंधित संकेतों पर। किसी भी प्रकार की असमानता या छिपे हुए दायित्व निवेशकों की भावना को प्रभावित कर सकते हैं। यदि यह समझौता संपन्न हो जाता है, तो यह भारत-अमेरिका आर्थिक संबंधों को गहरा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा, लेकिन इसके दीर्घकालिक निहितार्थ काफी हद तक समझौते में निहित विवरणों पर निर्भर करेंगे।

किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देंगे : योगी आदित्यनाथ

बूढ़ी मां संग आई बेटी ने बीटेक की पढ़ाई करने के लिए लगाई गुहार, मुख्यमंत्री ने किया आश्वस्त

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' किया। इस दौरान प्रदेश भर से आए लोगों से उन्होंने व्यक्तिगत मुलाकात की, उनकी समस्याएं सुनीं और समस्याओं के निराकरण का निर्देश दिया। एक बच्ची ने मुख्यमंत्री से उच्च शिक्षा के लिए मदद की गुहार लगाई, जिस पर उन्होंने लखनऊ के किसी संस्थान में प्रवेश दिलाने का आदेश दिया। पुलिस की अनसुनी व अवैध कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर सख्त मुख्यमंत्री योगी ने अफसरों को मॉनीटरिंग कर पीड़ितों को न्याय दिलाने का आदेश दिया।

लखनऊ की एक बच्ची अपनी मां के साथ पहुंची। उसने बताया कि इंटरमीडिएट अच्छे अंक से उत्तीर्ण किया है। वह आगे बीटेक करना चाहती है लेकिन धन के अभाव में दिक्कत हो रही है। योगी ने उसकी मार्कशीट देखी, फिर कहा कि पढ़ाई पर ध्यान दो। आपका प्रवेश किसी अच्छे संस्थान में कराया जाएगा। सरकार किसी भी निर्धन या जरूरतमंद की शिक्षा को बाधित नहीं होने देगी। सकारात्मक संदेश पाकर प्रफुल्लित बेटी व मां ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया।

विभिन्न जनपदों से आए फरियादियों ने मुख्यमंत्री से पुलिस की हीलाहवाली व अवैध कब्जे को लेकर उचित कार्रवाई न होने की शिकायत करते हुए प्रार्थना पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने हर प्रकरण को सुना, फिर शासन के अफसरों को प्रार्थना पत्र देते हुए कहा कि इन मामलों की मॉनीटरिंग करिए। पीड़ित को न्याय और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई कराइए। योगी ने पीड़ितों को जल्द ही समाधान के लिए आश्वस्त किया।

कुछ फरियादी ऐसे भी आए, जो सीधे 'जनता दर्शन' में पहुंचे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूछा कि आपने जनपद के किस अधिकारी के समक्ष अपनी बात रखी। इस पर उन फरियादियों ने कहा कि हम सीधे यहीं आ रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मी बेतहाशा पड़ रही है। आप सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और सबसे पहले अपनी शिकायतें जनपद, मंडल स्तर के अधिकारियों से करें। कई समस्याओं का समाधान वहीं से हो जाएगा।

सभी नागरिक न्यूनतम ईंधन खपत वाले साधनों का प्रयोग करें : खन्ना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने सोमवार को अपने साप्ताहिक संकल्प को आगे बढ़ाते हुए विधानसभा स्थित अपने कार्यालय आने-जाने के लिए ई-रिक्शा का प्रयोग किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों तथा खाड़ी देशों में जारी अस्थिरता के बीच ऊर्जा संरक्षण और पेट्रोलियम ईंधनों की बचत की आवश्यकता पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गई है।

श्री खन्ना ने नागरिकों से ईंधन की खपत कम करने, पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने तथा वैकल्पिक एवं स्वच्छ परिवहन साधनों को अपनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि ऊर्जा संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह प्रत्येक नागरिक का राष्ट्रीय दायित्व है। श्री खन्ना ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए सभी नागरिक यथासंभव न्यूनतम ईंधन खपत वाले साधनों का प्रयोग करें।

छोटी दूरी की यात्राओं के लिए साइकिल, ई-रिक्शा, सार्वजनिक परिवहन अथवा अन्य वैकल्पिक साधनों को प्राथमिकता देकर न केवल पेट्रोलियम ईंधनों की बचत की जा सकती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय हित में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया जा सकता है। सुरेश खन्ना ने कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक सप्ताह में एक दिन भी ईंधन की खपत कम करने का प्रयास करे तो यह राष्ट्रहित में एक बड़ा योगदान सिद्ध होगा।

धसान नदी में डूबने से शिक्षक समेत दो भाइयों की मौत

महोबा। बुंदेलखंड के महोबा जनपद में धसान नदी में डूबने से शिक्षक समेत दो भाइयों की मौत हो गई। सोमवार को पनवाड़ी थाना क्षेत्र पुलिस ने दोनों मृतकों के शवों का पोस्टमार्टम कराया है। फतेहपुर जनपद के चांदपुर क्षेत्र के विजौली गांव निवासी जितेंद्र पुत्र विजय बहादुर (33) जनपद के पनवाड़ी ब्लॉक के नेकपुरा गांव में सरकारी शिक्षक के पद पर तैनात थे। जितेंद्र पुलिस भर्ती परीक्षा देने आए अपने छोटे भाई राजा (31), रंजीत (29) और पत्नी कोमल, इकलौते बेटे सिद्धांत और साले दिलीप के साथ रविवार को नगारा घाट गांव में धसान नदी किनारे विश्वामित्र आश्रम घूमने गए थे। बताया जा रहा है कि इस दौरान शिक्षक जितेंद्र अपने बेटे के साथ नदी में नहा रहे थे, तभी वह दोनों गहरे पानी में चले गए।

मोदी सरकार के 12 वर्षः देश के करोड़ों लोगों के सपने हुए साकार, मिले 'पक्के आवास'

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, लखनऊ : उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि लंबे समय तक करोड़ों गरीब परिवार ऐसे थे, जिनके लिए अपना घर एक 'अधूरा सपना' था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस सपने को सरकार की 'प्राथमिकता' बनाया, साथ ही गरीबों के जीवन की इस सबसे बड़ी चिंता को समझकर उसे प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से दूर करने का संकल्प लिया।

उप मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज देशभर में 4 करोड़ से अधिक परिवारों को 'पक्के घर' मिल चुके हैं। इसमें उत्तर प्रदेश देश अग्रणी है। करोड़ों माताओं-बहनों, बुजुर्गों और बच्चों को सुरक्षित जीवन का नया भरोसा मिला है और 'नए आत्मविश्वास' के साथ आगे बढ़ने का 'अवसर' भी। अपना घर केवल एक पता नहीं देता, बल्कि सुरक्षा, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य का विश्वास भी देता है। जब सिर पर पक्की छत आती है, तो पीढ़ियों का भविष्य बदल जाता है। यही मोदी सरकार के 12 वर्षों की पहचान है, जहां गरीब कल्याण धरातल पर दिखाई देता है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पक्का घर गरीब के सम्मान, सुरक्षा और आत्मविश्वास का प्रतीक बन चुका है। यही बदलता भारत है, जहां सपनों को भी 'पक्की छत' मिलती है और भविष्य को भी। साथ ही, हर परिवार को 'गरिमा' के साथ जीने का अवसर भी मिला है।

चकबंदी : एक रकबे की तीन अलग-अलग मापे

नई दुनिया/बांदा ब्यूरोः जिले के चकबंदी विभाग का एक ऐसा अजीबोगरीब कारनामा सामने आया है, जो किसी जादू से कम नहीं है। इसे भूमि का तिलिस्म कहें या फिर नाप करने वाले चकबंदी कर्मियों के हाथों का 'कमाल', लेकिन कटरा कालिंजर क्षेत्र में एक ही जमीन को जब-जब अलग चकबंदीकर्ता ने नापा, उसका रकबा हर बार अलग निकला। बार-बार बदलती पैमाइश से परेशान और हैरान किसान ने अब मुख्यमंत्री व प्रदेश के चकबंदी आयुक्त (लखनऊ) का दरवाजा खटखटाया है।

बताते चले कि कटरा कालिंजर निवासी पीड़ित किसान शैलेंद्र कुमार पुत्र स्वर्गीय अनूप किशोर ने 1 जून 2026 को चकबंदी आयुक्त को भेजे गए शिकायती पत्र में विभाग के इस काले कारनामे की पोल खोली है। उन्होंने बताया कि उनकी जमीन (गाटा संख्या 337) के रकबे को लेकर चकबंदी महकमा लगातार खेल कर रहा है। पहला नाप (23 अक्टूबर 2003) चकबंदीकर्ता शिवशंकर ने पैमाइश की तो गाटा संख्या 337 में 0.20 एकड़ रकबा बेशी (अधिक) निकला। दूसरा नाप (25 अगस्त

2022) वर्षों बाद जब चकबंदीकर्ता नागेंद्रमणि के हाथों पैमाइश हुई, तो बेशी घटकर 0.07 रह गई और इसका अमल दरामद भी हो गया। तीसरा नाप (वर्तमान में) हाल ही में जब चकबंदी के मानचित्रकार (ड्राफ्ट्समैन) अरविंद कुमार का दिमाग और फीता चला, तो जो रकबा अब तक ज्यादा निकल रहा था, उसमें चमत्कारिक रूप से 0.25 डिसमिल की कमी दर्शा दी गई। पीड़ित शैलेंद्र का आरोप है कि पत्रावली रिमांड होकर आने के बाद यहां एक ड्राफ्ट्समैन द्वारा 'डिमांड' (सुविधा शुल्क) रखी गई। जब उनकी अनुचित मांग पूरी नहीं हो पाई, तो खुन्नस में आकर गलत रिपोर्ट लगा दी गई। पीड़ित ने बताया कि बदलते समय के साथ अब विपक्षियों की नजर इस जमीन पर है और वहां अवैध रूप से प्लाटिंग का काम शुरू करने की साजिश रची जा रही है। शिकायती पत्र में यह भी खुलासा किया गया है कि जिस कृषि भूमि पर प्लाटिंग की तैयारी चल रही है, उसे नियमानुसार धारा 80 (1) के तहत अकृषि (आवासीय/व्यावसायिक) भूमि में परिवर्तित ही नहीं कराया गया है। यह सीधे तौर पर राजस्व नियमों की अनदेखी है, जिस पर स्थानीय जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे हैं। थक-हारकर पीड़ित किसान ने मुख्यमंत्री और चकबंदी आयुक्त से मांग की है कि एक ही जमीन की तीन अलग-अलग और विरोधाभासी आख्याओं (रिपोर्ट) को तलब किया जाए। इसकी किसी इंसाफ पसंद और ईमानदार अधिकारी से जांच कराकर दोबारा मशीन से पैमाइश कराई जाए ताकि सच्चाई सामने आ सके।

बहरहाल, इस प्रकरण ने भ्रष्टाचार के लिए अक्सर चर्चा में रहने वाले चकबंदी महकमे की कार्यप्रणाली को एक बार फिर कटघरे में खड़ा कर दिया है। अब देखना यह है कि उच्चाधिकारियों के दखल के बाद इस 'जादुई पैमाइश' का सच सामने आता है या फाइलें ठंडे बस्ते में डाल दी जाती हैं।

पुलिस अधीक्षक ने परीक्षा केंद्र का किया निरीक्षण, सुरक्षा व्यवस्था परखी

बागपत। बागपत में उत्तर प्रदेश पुलिस में आरक्षी नागरिक पुलिस एवं समकक्ष पदों पर सीधी भर्ती-2025 की ऑफलाइन लिखित परीक्षा कराई जा रही है। परीक्षा को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक बागपत द्वारा राजकीय कन्या इंटर कॉलेज, कस्बा बागपत स्थित परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक ने केंद्र की सुरक्षा व्यवस्था, अभ्यर्थियों की प्रवेश प्रक्रिया, सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता तथा स्ट्रांग रूम सहित अन्य व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। उन्होंने मौके पर मौजूद ड्यूटी में तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

रामनगर में चार करोड़ 92 लाख से बनने वाले अत्याधुनिक मिनी इण्डोर स्टेडियम का शिलान्यास

राज्य ब्यूरो, नईदुनिया, वाराणसी : उत्तर प्रदेश के वाराणसी में कैण्ट विधानसभा क्षेत्र में रामनगर स्थित प्रभु नारायण राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में चार करोड़ 92 लाख की लागत से बनने वाले अत्याधुनिक मिनी इण्डोर स्टेडियम का शिलान्यास हुआ। कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव की उपस्थिति में शिलापट्ट का अनावरण प्रभु नारायण राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य अविनाश कुमार मिश्रा और सेनानायक अनिल कुमार पांडेय ने किया। कमांडेंट आवास के सामने आयोजित कार्यक्रम के साथ ही रामनगर में खेल एवं युवा विकास के एक नए अध्याय की शुरुआत हो गई।

विधायक सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि रामनगर में बनने जा रहा यह मिनी इण्डोर स्टेडियम, रामनगर के विकास की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम साबित होगा। खेल केवल शारीरिक क्षमता का विकास नहीं करते, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता का भी निर्माण करते हैं। इस स्टेडियम के निर्माण से क्षेत्र के बच्चों और युवाओं को आधुनिक खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जिससे उनकी प्रतिभा को नया आयाम मिलेगा और वह प्रदेश व राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना सकेंगे। रामनगर में खेल अवसंरचना के विकास से क्षेत्र की विकास रेखा बदलने वाली है। यह स्टेडियम आने वाले वर्षों में अनेक खिलाड़ियों को तैयार करेगा और क्षेत्र के युवाओं के सपनों को नई उड़ान देगा। इस अवसर पर सेनानायक अनिल कुमार पांडेय ने भी विद्यार्थियों को खेलों के प्रति प्रेरित करते हुए कहा कि आधुनिक खेल सुविधाओं का लाभ उठाकर युवा अपने भविष्य को नई दिशा दे सकते हैं। कार्यक्रम में राधा किशोरी राजकीय महिला इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या अनुराधा पांडेय, आशा गुप्ता, अभिषेक मिश्रा, अशोक जायसवाल, संतोष द्विवेदी, अनुपम गुप्ता, प्रीति सिंह, नंदलाल चौहान, सृजन श्रीवास्तव, राजेंद्र शंकर सिंह पटेल, अजय प्रताप सिंह, पार्षद मोनिका यादव, पार्षद लल्लन सोनकर, पार्षद अमित सिंह चिंटू, जितेंद्र पांडेय, रितेश राय, रितेश पाल, संतोष गुप्ता, राजकुमार सिंह, विवेक मिश्रा, उदय श्रीवास्तव, गोविंद मौर्य, आलोक सिंह सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं, आमजन एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आपका राशिफल 09 जून

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। आवेश में आना आपके हित में नहीं होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। शुभांक-5-6-9

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक 2 6 8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। शुभांक-4-6-7

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-3-5-8

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): प्रसन्नता के साथ सभी जरूरी कार्य बनते नजर आएंगे। मनोरथ सिद्धि का योग है। सभा-गोष्ठियों में सम्मान मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच आनन्ददायक दिन रहेगा। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की दौड़-भाग से यदि बचा जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभाओं में मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। पुराने मित्र से मिलन होगा। आत्मचिंतन करें। शुभांक-4-6-8

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभ कार्यों की प्रवृत्ति बनेगी और शुभ समाचार भी मिलेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। शुभांक-3-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-1-5-8

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पूरा कर लेने का दिन है। "आगे-आगे गौरख जागे" वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-1-6-9

बालू खनन कारोबार में एक मजदूर की मौत

अधिकारियों ने साधी चुप्पी, निजी भूमि में हो रहे खनन की वैधता पर उठे गंभीर सवाल

नई दुनिया, बांदा ब्यूरोः बांदा/नरैनी/जिले में बालू के वैध और अवैध कारोबार को लेकर मचने वाले आए दिन होहल्ला के बीच एक बड़ा हादसा सामने आया है।

नरैनी कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पुकारी स्थित रंज नदी क्षेत्र में खनन कार्य के दौरान पोकलैंड मशीन की चपेट में आने से एक मजदूर की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना ने एक बार फिर खनन कारोबारियों की बेलगाम कार्यप्रणाली और संबंधित विभागों की भूमिका पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, रंज नदी क्षेत्र में लंबे समय से भारी-भरकम जेसीबी और पोकलैंड मशीनों के जरिए खनन और बालू लोडिंग का काम बेखौफ चल रहा था। मृतक की शिनाख्त महोबा जनपद के कबरई क्षेत्र निवासी दिनेश त्रिवेदी के रूप में हुई है।

वह खदान में चौकीदारी का काम करता था। ग्रामीणों का दावा है कि काम के दौरान वह पोकलैंड मशीन की चपेट में आ गया। कुछ स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि हादसे के बाद ठेकेदार पक्ष के लोग रात के अंधेरे में ही उसे गुपचुप तरीके से बांदा ले गए। वहीं, नरैनी कोतवाली प्रभारी के मुताबिक, घायल अवस्था में दिनेश को रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज ले जाया जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

इस गंभीर घटना के बाद जब विभागीय अधिकारियों का पक्ष जानने की कोशिश की गई, तो उनकी कार्यशैली ने और भी निराश किया। अपराह्न लगभग 3:30 बजे जिला खनिज अधिकारी और एसडीएम (परगना अधिकारी) नरैनी से दूरभाष पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन दोनों में से किसी भी अधिकारी ने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा। एक मजदूर की मौत और सवालों से घिरे खनन क्षेत्र के बीच अधिकारियों की यह रहस्यमयी चुप्पी उनकी कार्यप्रणाली पर बड़ा प्रश्नचिह्न लगा रही है।

इस पूरे मामले पर पुलिस क्षेत्राधिकारी (सीओ) नरैनी प्रवीण कुमार ने मीडिया को बताया कि एक मजदूर की मृत्यु की सूचना है। उनके अनुसार, खनन एक किसान की निजी भूमि में किया जा रहा था।

हालांकि, यह खनन वैध था या अवैध, इसकी असलियत जांच के बाद ही साफ हो सकेगी। फिलहाल, इस मौत का असली जिम्मेदार कौन है और खनन की आड़ में क्या खेल चल रहा था, इसकी अंतिम पुष्टि प्रशासनिक जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश भर दिया है और दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग तेज हो गई है।